2. पाठ से प्रश्नवाचक वाक्यों को छाँटिए और संदर्भ के साथ उन पर टिप्पणी लिखिए।
3. इन पंक्तियों की व्याख्या कीजिए–
   (क) बड़ी हवेली अब नाममात्र को ही बड़ी हवेली है।
   (ख) हरगोबिन ने देखी अपनी आँखों से द्रौपदी की चीरहरण लीला।
   (ग) बथुआ साग खाकर कब तक जीऊँ?
   (घ) किस मुँह से वह ऐसा संवाद सुनाएगा।

योग्यता-विस्तार

1. संवदिया की भूमिका आपको मिले तो आप क्या करेंगे? संवदिया बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है?
2. इस कहानी का नाट्य रूपांतरण कर विद्यालय के मंच पर प्रस्तुत कीजिए।

शब्दार्थ और टिप्पणी

संवदिया	–	संदेशवाहक, संदेश पहुँचाने वाला
मारफ़त	–	माध्यम, ज़रिया
परेवा	–	कबूतर, कोई तेज़ उड़ने वाला पक्षी
सूपा	–	छाज, सूप
रैयत	–	प्रजा
हिकर	–	बेचैन होकर पुकारना
अफरना	–	पेट भरकर खाना
चूड़ा	–	चिड़वा
बहुरिया	–	पुत्रवधू
दखल		हस्तक्षेप, अधिकार माँगना
आगे नाथ न पीछे पगहा		कोई ज़िम्मेदारी न होना
कलेजा धड़कना	–	घबरा जाना
खोज खबर न लेना	–	जानकारी प्राप्त न करना, पूछताछ न करना
खून सूख जाना	–	बहुत अधिक डर जाना

© NCERT not to be republished